कोवशिील्ड और कोवैक्सनि इम्यूनोजेनेसटिी

[स्रोत: द हिंदू](#)

राष्ट्रीय जैवकि वज्ञिान केंद्र (NCBS) के वैज्ञानकिों के नेतृत्व में और 11 संस्थानों में कयि गए एक हालयिा अध्ययन ने भारत में 2 प्राथमकि **कोवडि-19 वैक्सीन: कोवशिील्ड और कोवैक्सनि** की प्रतरिक्षात्मकता में आकर्षक अंतर्दृष्ट प्रिदान की है।

- **इम्यूनोजेनेसटिी (प्रतरिक्षा प्रतक्रियिा से संबंधति) शरीर में प्रतरिक्षा प्रतक्रियिा को उत्तेजति करने के लयि वैक्सीन या एंटीजन जैसे पदार्थ की क्षमता को संदर्भति करती है।**
  - इस प्रतक्रियिा में आमतौर पर एंटीबॉडी का उत्पादन और प्रतरिक्षा कोशकिाओं की सक्रयिता शामलि होती है, जसिसे संक्रमण या बीमारी से सुरक्षा मलिती है।
- हालयिा अध्ययन में **SARS-CoV-2** के खलिाफ कोवशिील्ड और कोवैक्सनि टीकों से प्रेरति प्रतरिक्षा प्रतक्रियिाओं की जाँच की गई।
  - **कोवशिील्ड, कोरोना वायरस** स्पाइक प्रोटीन देने के लयि एक वायरस वेक्टर का उपयोग करते हुए, नष्क्रियि वायरस वैक्सीन कोवैक्सनि की तुलना में लगातार अधकि मज़बूत प्रतरिक्षा प्रतक्रियिा (सेरोनगिेटवि (बनिा पूर्व जोखमि वाले व्यक्तयिों) और सेरोपॉजटिवि (पूर्व जोखमि वाले व्यक्तयिों) दोनों में उच्च एंटीबॉडी स्तर) प्राप्त करता है।
  - इसके अतरिक्ति, कोवशिील्ड ने अधकि संख्या में **टी-सेल** उत्पन्न कीं, जो एक मज़बूत प्रतरिक्षा प्रतक्रियिा का संकेत है।

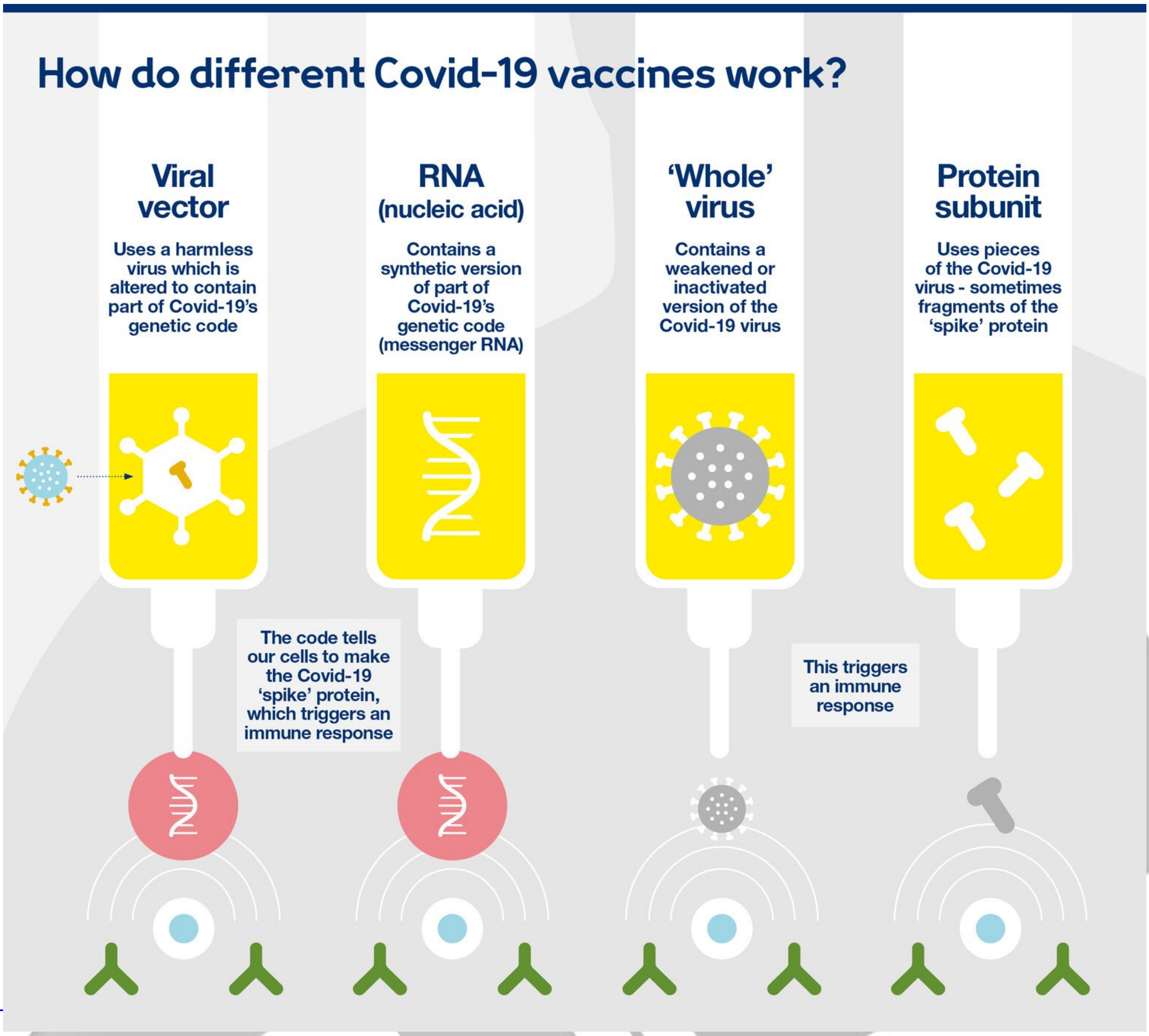

//

और पढ़ें: [कोविशील्ड और कोवैक्सिन]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/covishield-and-covaxin-immunogenicity